

Report

Road Safety Helmet Awareness Program

April 7, 2025

A one-day Road Safety Awareness Program was organized on **April 7, 2025**. The primary objective of the event was to promote road safety and spread awareness about the importance of wearing helmets among two-wheeler riders.

The program was a joint initiative of the **Road Safety Club, Department of Commerce, Women Cell, Youth Red Cross Club** and **NSS Unit** of the college. The event was successfully coordinated by **Dr. Prerna, Dr. Mukesh Chahal, Dr. Meenakshi, and Dr. Sonia Rani**. The event witnessed enthusiastic participation from both students and faculty members who pledged to follow road safety rules diligently.

The program concluded with all participants taking a solemn pledge to abide by traffic rules and actively spread awareness about road safety within their families and communities.

Such initiatives stand as powerful reminders that **a helmet is not just a headgear – it is a life-saving shield**.



हेलमेट है सुरक्षा कवच, सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

जोधिन्द्र सिंह, संदीप दिनाकर

निसिंग : बाबू अनन्त राम जन्ता महाविद्यालय कोल में प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के कृपल मार्गदर्शन में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना तथा दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

यह कार्यक्रम रोड सेफ्टी क्लब, वाणिज्य विभाग, महिला प्रकोष्ठ, युवा रेड क्रॉस क्लब तथा एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. प्रेरणा, डॉ. मुकेश चहल, डॉ. मिनाक्षी एवं डॉ. सोनिया रानी रहें। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं तथा संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का संकल्प लिया।



डॉ. प्रेरणा ने अपने वक्तव्य में हेलमेट की उपयोगिता एवं सड़क दुर्घटनाओं में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में देशभर में कुल 50,029 लोग हेलमेट न पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा बैठे, जो कि कुल सड़क दुर्घटना मौतों का लगभग 30% है। इनमें से 71.3% मृतक दोपहिया वाहन के चालक थे। इस प्रकार हेलमेट का प्रयोग न करना एक बड़ी

सामाजिक चुनौती के रूप में उभर कर सामने आया है। उन्होंने उपस्थित जनों को हेलमेट को केवल औपचारिकता न मानते हुए जीवन रक्षा का साधन समझने की अपील की। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें न केवल स्वयं इन नियमों का पालन करना चाहिए, बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

पर जाना पड़ है। इससे प्रभावित सिंह, अशोक गुप्ता, प्रवीण शर्मा, नन्दीन गुप्त व सुमित कुमार अवधि शामिल रहे।

सोपेयवास राणा, पवन अग्रवाल, गोपीचंद आर्य, पवित्र सिंह, अशोक गुप्ता, प्रवीण शर्मा, नन्दीन गुप्त व सुमित कुमार अवधि शामिल रहे।

उपलब्ध करवाया जाएगा, छात्रों अनाज सड़ि में गांवां से अपने वाले किराने एवं मंडी में कार्य करने वाले मजदूरों व

तमल तल्ल

हेलमेट है सुरक्षा कवच – सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

करना (चेहरा सिंह)। बाबू अनन्त राम जन्ता महाविद्यालय, कोल में प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के कृपल मार्गदर्शन में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना तथा दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के महत्व के प्रति जागरूक करना था। यह कार्यक्रम रोड सेफ्टी क्लब, वाणिज्य विभाग, महिला प्रकोष्ठ, युवा रेड क्रॉस क्लब तथा एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. प्रेरणा, डॉ. मुकेश चहल, डॉ. मिनाक्षी एवं डॉ. सोनिया रानी रहें। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं तथा संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का संकल्प लिया।



लगभग 30% है। इसमें से 71.3% मृतक दोपहिया वाहन के चालक थे। इस प्रकार हेलमेट का प्रयोग न करना एक बड़ी सामाजिक चुनौती के रूप में उभर कर सामने आता है। उन्होंने उपस्थित जनों को हेलमेट को केवल औपचारिकता न मानते हुए जीवन रक्षा का साधन समझने की अपील की। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें

न केवल स्वयं इन नियमों का पालन करना चाहिए, बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित जनों को हेलमेट को केवल औपचारिकता न मानते हुए जीवन रक्षा का साधन समझने की अपील की। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें

ग ए करी प्राधि (डी मीस तल्ल खल्ल वल्ल वीम जल्ल से न बवा कि- छत्र एल्ल कोल आल्ल और कि- मीस टोले हल्ले अल्ल से प

मंदिर में हुआ चमत्कार

कर लिया आशीर्वाद



प्रशासन समस्याओं के समाधान को

पानीपत (एचकेए बटुर)। हरियाणा के मुख्यमंत्री के

कुरल भाषाईय का प्रेस को जलता को चर्चाम में अंतुलनीय लाभ मिल रहा है। अम, नार्मल: की

